वार्तालाप-1424, ज्योति-कनाडा+दिल्ली रघु-भाग-4, दिनांक 09.05.13
Disc.CD No.1424, dated 09.05.13, Jyoti-Canada+Delhi-Raghu, Part-4
Part-1

समयः 01.41-02.06

जिज्ञासुः क्या जो पी.बी.केज़ डायरेक्ट एडवांस ज्ञान पाते हैं उन्हें भी द्विज कहा जा सकता है? जैसे जो बी.के में रहके आए हैं उनको तो हम कहते हैं कि एक जन्म आपका बी.के में हुआ, दूसरा जन्म एडवांस में हुआ। लेकिन जो डायरेक्ट एडवांस में आ रहे हैं उनको भी क्या द्विज कहा जाएगा क्योंकि वो तो पिछले जन्म में बी.के रहे हैं?

बाबाः तो फिर द्विज नहीं हुए? यहाँ आत्मा को देखना है कि शरीर को देखना है? (जिज्ञासु – आत्मा को) तो फिर?

Time: 01.41-02.06

Student: Can those PBKs who obtain advance knowledge directly be called *Dwij* (twice-born), too? For example, as regards those [PBKs] who have been BKs we tell them that you had one birth in BK and the second birth in advance [party]. But will those who are coming directly also be called *Dwij* because they had been BK in the past birth?

Baba: So are they not *Dwij*? Do we have to see the soul or the body here? (Student: The soul.) Then?

समयः 03.42-05.25

जिज्ञासुः पी.बी.केज़ जब ब्रह्मा बाबा की बात करते हैं तो कहते हैं कि प्रेरणा से ज्ञान नहीं दिया जाता, उनको ज्ञान देने के लिए साकार में रथ की जरूरत पड़ी।

बाबाः पी.बी.केज़ ही कहते हैं या शिवबाबा भी मुरली में, ब्रह्मा के मुख से चलाई हुई मुरली में कहते हैं?

जिज्ञासुः शिवबाबा भी कहते हैं।

बाबाः फिर? पी.बी.केज़ के पीछे हाथ धोके क्यों पड़े हुए हो?

जिज्ञासुः वो तो इंटरनेट पर पी.बी.केज़ को मानते हैं ना, वो ये थोड़े ही मानते हैं कि शिवबाबा का ज्ञान है। वो तो कहते हैं – पी.बी.केज़ कहते हैं, पी.बी.केज़ कहते हैं।

बाबाः माना कुखवंशावली हैं आप? (जिज्ञासु – हम तो...) इनसे कह रहे हैं। ☺ आप मुखवंशावली नहीं हैं? उनको धड़ाधड़ चीधे-2 जवाब दो। आप मुख से निकली हुई ब्रह्मा की वाणियों को नहीं मानते? आप उनका अध्ययन नहीं करते? देखना सुनना नहीं चाहते?

Time: 03.42-05.25

Student: When the PBKs talk of Brahma Baba, they say that knowledge is not given through inspiration; in order to give him knowledge a chariot in the corporeal form was required.

Baba: Do only the PBKs say [this] or does Shivbaba also say [this] in the murlis that were narrated through the mouth of Brahma?

Student: Shivbaba also says [this].

Baba: Then? Why are you only after the PBKs without any reason?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: They deal only with the PBKs on the internet, don't they? They do not believe that this is Shivbaba's knowledge. They say: "PBKs say, PBKs say".
Baba: Does it mean that you are the lap born progeny? (Student: We are…) I am saying it for these people (on the internet). Are you not the mouth born progeny? Give them quick and sharp replies. Don't you believe in the vanis that came from the mouth of Brahma? Don't you study them? Don't you want to see or listen to them?

जिज्ञासुः किन्तु जब प्रजापिता की बात आती है तो कहते हैं कि उन्हें मुरलियों और अव्यक्त वाणियों के अध्ययन से ही एडवांस ज्ञान प्राप्त हुआ। तो क्या प्रेरणा वाली बात प्रजापिता पर लागू नहीं होती? (बाबाः क्या?) वो ये कह रहे हैं कि जैसे प्रजापिता वाली आत्मा जब ज्ञान में आई तो साकार में बेसिक नालेज तो किसी न किसी ने दिया निमित्त बनके (बाबाः हाँ) लेकिन एडवांस ज्ञान जो था वो तो …
बाबाः मुरलियाँ पढ़के नहीं आया? (जिज्ञासु – मनन-चिंतन-मंथन से) हाँ, मुरलियाँ पढ़कर के ही मनन-चिंतन-मंथन करेंगे महावाक्यों का? (जिज्ञासु – हाँ, जी) फिर?
जिज्ञासुः लेकिन साकार में तो कोई नहीं था ना उनको ज्ञान सुनाने वाला।
बाबाः साकार में ज्ञान सुनाने वाला…? वही बाप हो गया फिर दूसरा बाप क्यों होगा? विश्वपिता एक होगा या दो-चार होंगे? (जिज्ञासु – एक) फिर?

Student: But when the topic of Prajapita emerges then they say that he obtained the advance knowledge only through the study of the murlis and avyakt vanis. So, doesn't the topic of inspiration apply to Prajapita? (Baba: What?) They are saying that for example, when the soul of Prajapita entered the path of knowledge then someone gave him the basic knowledge in the corporeal form by becoming an instrument. (Baba: Yes.) But he got the advance knowledge through...
Baba: Did he not get it by reading the murlis? (Student: Through thinking and churning.) Yes, thinking and churning of the great sentences (*mahaavaakya*) will take place only after reading the murlis? (Student: Yes.) Then?
Student: But there was no one to narrate the knowledge to him in the corporeal form, was there?
Baba: To narrate the knowledge in the corporeal form…? When he himself is the Father, why will there be another Father? Will there be one World Father or two-four [World Fathers]? (Student: One.) Then?

समयः 06.52-10.05
जिज्ञासुः बाबा, आठ के अलावा सब सज़ा खाते हैं। जब ब्रह्मा बाबा अष्ट देवों में या 108 में शामिल नहीं है तो फिर वह धर्मराज का पार्ट कैसे बजा सकते हैं?
बाबाः प्रवेश करके।
जिज्ञासुः नहीं, मतलब, पूछने वाले का कहना यह है कि जब वो खुद ही सज़ा खाने वालों की लिस्ट में हैं…
बाबाः खा ली न सज़ा, भटक रहे हैं ना अभी तक। और सज़ा दिलाना चाहते हो?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 06.52-10.05
Student: Baba, everyone except the eight suffer punishments. When Brahma Baba is not included among the eight deities or 108 then how can he play the part of Dharmaraj?
Baba: By entering.
Student: No, I mean, the questioner meant to ask that when he himself is in the list of those who suffer punishments.
Baba: He has already suffered punishments. He is still wandering, isn't he? Do you want him to suffer more?

जिज्ञासुः मतलब जब भटकना खतम हो जाएगा तब धर्मराज का पार्ट...
बाबाः लेकिन जो पार्ट है वो शरीर का माना जाता है कि सोल का माना जाता है? (जिज्ञासु – सोल का) फिर? सोल? **पार्ट** किसको कहा जाता है?
जिज्ञासुः पार्ट जब तक शरीरधारी शरीर में है।
बाबाः तभी तक पार्ट है ना। तो 8 जो हैं वो पार्टधारी हैं। उन 8 में से ही एक धरमराज भी कहा जाता है। तब जबकि ब्रह्मा की सोल प्रवेश हो।
जिज्ञासुः अच्छा, उसमें प्रवेश करके फिर?
बाबाः हाँ, जी।
जिज्ञासुः अष्ट देवों में से तीसरा मणका है बाबा जिनमें ब्रह्मा की सोल प्रवेश करके धर्मराज का पार्ट बजाती है?
बाबाः ये क्या बात हुई?
जिज्ञासुः फिर वो कौनसा मणका होगा? नम्बर कुछ अभी डिक्लेयर नहीं हुआ?
बाबाः नहीं।

Student: When he stops wandering then he will play the part of Dharmaraj...
Baba: But is the part believed to be played by the body or by the *soul*? (Student: By the soul.) Then? Soul? What is meant by **part**?
Student: Part is played as long as the soul is in the body.
Baba: The part is only up to that time, isn't it? So, the eight are actors. One among those eight is called Dharmaraj (the Chief Justice) only when the soul of Brahma has entered him.
Student: *Acchaa*, after entering in?
Baba: Yes.
Student: Baba, is it the third bead among the eight deities whom the soul of Brahma enters and plays the part of Dharmaraj?
Baba: What is this?
Student: Then which bead is it? Hasn't the number been declared?
Baba: No.

जिज्ञासुः उसके बारे में तो कई पी.बी.केज़ अलग-अलग बातें करते रहते हैं कि फलाना व्यक्ति जो है ...
बाबाः करते रहो, बातें करते रहो। बातें करने से थोड़े ही प्रूफ मिल जाता है। प्रूफ चाहिए ना हर बात का।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः दूसरे, तीसरे और चौथे का नाम तो सभी बताते रहते हैं कि फलाना-फलाना व्यक्ति है।

बाबाः बुद्धिमान बाप के बुद्धिमान बच्चे बिना प्रूफ और प्रमाण के कोई बात मानने के लिए तैयार नहीं होते। तो बताने के लिए तैयार क्यों हो जाते हैं?

जिज्ञासुः बाबा ने तो नाम लिया नहीं है किसी का भी।

बाबाः नाम नहीं लिया है लेकिन देवताओं को नाम लेना जरूरी है या इशारा ही काफी है?

जिज्ञासुः इशारा ही काफी है।

बाबाः फिर? देवताएं इशारे में समझ जावेंगे। मनुष्य हैं वो कहने से समझेंगे। असुर हैं, जानवर बुद्धि हैं, तो ना इशारे को समझेंगे, न बोलने से समझेंगे। उनके लिए तो डाँटे पे नवनीच।

Student: Many PBKs speak in different ways about it that such and such person …
Baba: They may speak. They may continue to speak. You don't get *proof* just by speaking. Proof is required for everything, isn't it?
Student: Everyone keeps taking the name of the second, third and fourth [bead] that such and such person is that bead.
Baba: Intelligent children of the intelligent Father do not accept anything without proofs. So, why do they get ready to speak about them?
Student: Baba has not taken anyone's name.
Baba: He hasn't taken names, but is it necessary to take names for the deities [to understand] or is a hint sufficient?
Student: A hint is sufficient.
Baba: Then? Deities will understand through hints. Human beings will understand on being told. If someone is a demon, or has an animal like intellect he will understand neither the hints nor on being told. For them, [it is said,] the lowly [souls] reform only on after receiving scolding.

समयः 10.53-12.45

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा की सोल शंकर में प्रवेश करती है तो उसका यादगार अर्धचन्द्रमा के रूप में दिखाया जाता है। तो फिर ब्रह्मा की सोल गुल्ज़ार दादी में पैंतालीस साल से प्रवेश कर रही है तो इसका भक्तिमार्ग में क्या यादगार है?

बाबाः वो संपन्न रूप नहीं है। माना बीजरूप स्टेज बन जाती है। गुल्ज़ार दादी की बीजरूप स्टेज है ही नहीं। वो बीज रूप आत्मा नहीं है।

जिज्ञासुः अपूर्ण रूप है इसलिए उसका कोई यादगार बनता ही नहीं है।

बाबाः हाँ, जो रुद्रमाला के मणके हैं वो बीजरूप हैं। इसलिए उनमें जो सोल प्रवेश करती है वो उनके संग के रंग से बीज रूप स्टेज में आ जाती है।

जिज्ञासुः तो उसका कोई यादगार बनता ही नहीं है?

बाबाः नहीं।

जिज्ञासुः लेकिन पार्ट तो बहुत लंबा चलता है ना बाबा।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा: चलता हो। भक्तिमार्ग में कुछ यादगार है? फिर एक अव्यक्त वाणी में बोल भी दिया – संदेशियों द्वारा थोड़े समय के लिए पार्ट बजाते हैं। ये कोई खास बात नहीं है। उसे मुरली नहीं कहेंगे। मुरलियाँ तो भगवान के द्वारा चलाई जाती हैं। अव्यक्त वाणी कह सकते हैं। लेकिन उन्होंने अव्यक्त वाणी को भी मुरली कहना शुरू कर दिया।

Time: 10.53-12.45
Student: Baba, Brahma's soul enters Shankar; so, its memorial is shown in the form of a half moon. So, then the soul of Brahma is entering Gulzar Dadi for forty five years; so what is its memorial in the path of *bhakti*?
Baba: That is not a perfect form. It means he achieves a seed form stage [when he enters Shankar]. Gulzar Dadi's *stage* is not seed form at all. She is not a seed form soul.
Student: It is an incomplete form; this is why its memorial is not formed at all.
Baba: Yes, the beads of *Rudramala*[1] are seed form. This is why the *soul* that enters them attains a seed form stage by being coloured by their company.
Student: So, is there no memorial formed for that [part being played through Gulzar Dadi] at all?
Baba: No.
Student: But the part is played for a very long period, isn't it Baba?
Baba: It may be played. Is there any memorial in the path of *bhakti*? Then it has also been said in an avyakt vani: A part is played through the *sandeshis* (trance messengers) for some time. This is not a big thing. That will not be called murli. Murlis are narrated through God. It can be called avyakt vani. But they have started calling the avyakt vanis also murlis.

जिज्ञासु: अब तो वो हरेक किताब में वही छापते हैं मुरली बोलके।
बाबा: क्योंकि वो गुल्ज़ार दादी में शिवबाबा को मानते हैं इसलिए मुरली बोलते हैं।
जिज्ञासु: अब कहने लगे हैं, एडवांस पार्टी के डर से, क्योंकि हम लोग उनको बताते रहते थे कि ब्रह्मा बाबा गुल्ज़ार दादी द्वारा जो चलाते हैं ये अव्यक्त वाणी कहा जाता है, मुरली नहीं। तो अब वो वाणी को मुरली साबित करने के लिए उसको मुरली के रूप में छापने लगे हैं, कहने भी लगे हैं और...।
बाबा: कहते थे। अभी भी कह रहे हैं नई-नई आत्माओं को। हाँ।

Student: Now they print that as murli in every book [of avyakt vani].
Baba: They call it murli because they believe Shivbaba to be entering Gulzar Dadi.
Student: They have started saying that now because of the fear of the Advance Party because we tell them that whatever Brahma Baba narrates through Gulzar Dadi is called avyakt vani, not murli. So, now, in order to prove the vani as murli they have started publishing it as murli and they have also started calling it murli.
Baba: They used to say this. They are telling [this] to the new souls even now. Yes.

[1] The rosary of Rudra

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 13.53-17.38

जिज्ञासुः पी.बी.केज़ कहते हैं कि कुमारिका दादी माया का पार्ट बजाती है लेकिन एक मुरली दिनांक 24.7.79 में कहा है – नम्बरवार पास होते हैं। कोई फेल भी होते हैं। रामचन्द्र को फेल कहेंगे क्योंकि माया पर जीत नहीं पहन सके। तुम्हारी भी युद्ध चल रही है। तुम देख रहे हो, जिस रथ पर बाप विराजमान हैं, वह तो जीत ही लेंगे। जैसे कुमारका है, फलानी है, जरूर जीत पावेंगी। तो यहाँ किस कुमारिका की बात हो रही है?

बाबाः तुम हद की बुद्धि वाले हो इसलिए हद की कुमारिका को ही देखते हो। शिवबाबा तो बेहद की कुमारिका को कहते हैं जो कुमारी **है** वास्तव में। वो अधर कुमारी नहीं है। ऐसे-2 जवाब दो उनको।

Time: 13.53-17.38

Student: PBKs say that Kumarika Dadi plays the part of Maya but in a murli dated 24.7.79 it has been said: "You pass number wise[2]. Some fail as well. Ramchandra will be called a failure because he could not conquer Maya. You are fighting a war, too. You see that the chariot on which the Father is seated will definitely win. For example, there is Kumarka, etc.; they will definitely win." – So, which Kumarka is being mentioned here?

Baba: You (the BKs) have a limited intellect; that is why you see only the limited Kumarika. Shivbaba speaks about the unlimited Kumarika who **is** a *kumari* (virgin) in reality. She is not *adharkumari* (females who are married and lead a pure life). Give them such replies.

जिज्ञासुः विजयमाला की हेड के लिए।

बाबाः हाँ, जी, वो है कुमारी।

जिज्ञासुः वो जीत पा लेगी।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः विक्टोरिया। फलानी किसके लिए कहेंगे? फलानी बाकी चन्द्रवंश की आत्माओं के लिए ?

बाबाः और भी नंबरवार होंगी कि नहीं होंगी?

जिज्ञासुः चन्द्रवंश की?

बाबाः विजयमाला निकलेगी तो उसकी साथी नहीं निकलेंगी? तो उनमें फलानी का नाम होगा कि नहीं होगा? जैसे मनोहर दादी थी। उनको किसी सेन्टर का इंचार्ज नहीं बनाया उन्होंने क्योंकि वो सच्ची-सच्ची बात बोल देती थी, सच्ची-सच्ची हिस्ट्री सुनाती थी। इनके कहने पर भी नहीं मानती थी। तो उसको उन्होंने आगे बढ़ाया ही नहीं कभी।

जिज्ञासुः माउंट आबू में ही रख दिया।

बाबाः हाँ, जी। वो ऊँच पद नहीं पाएगी?

[2] at different levels

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: It is for the head of the *Vijaymala*[3].
Baba: Yes, she is the *kumari* (virgin).
Student: She will gain victory.
Baba: Yes.
Student: Victoria. Who will be called etc. (*falaani*)? Does 'etc.' (*falaani*) refer to the souls of the Moon dynasty?
Baba: Will there also be others number wise or not?
Student: From the Moon dynasty?
Baba: When the *Vijaymala* emerges, then will there not be her companions who emerge with her? So, will it not include the names of etc.? For example, there was Manohar Dadi. She wasn't made the incharge of any center because she used to speak the truth. She used to narrate the true *history*. She did not listen even if they stopped her. So, they never allowed her to progress.
Student: She was kept only in Mount Abu.
Baba: Yes. Will she not achieve a high position?

जिज्ञासुः लेकिन वो तो फिर शरीर छोड़ चुकी।
बाबाः शरीर छोड़ा... क्या अचानक शरीर छोड़ा?
जिज्ञासुः टाइम पे।
बाबाः फिर? दूसरी बात, कुमारिका दादी के लिए तो अव्यक्त वाणी में बोल दिया माया थक चुकी है। अब शरीर भी छोड़ दिया। शरीर छोड़ने के बाद क्या वो विजयी हो गई? शरीर छोड़ने के बाद पुरुषार्थ चलता है? और संदेशों में तो बताया गया कि कुमारिका दादी अभी भी जैसे ब्रह्मा बाबा पार्ट बजा रहे हैं वैसे कुमारिका दादी भी पार्ट बजा रही है, सूक्ष्म शरीर से।
जिज्ञासुः मनोहर दादी के लिए जो बोला आपने तो क्या वो फिर प्रवेश करके कार्य कर रही है या वो भी पुनर्जन्म लेती है फिर?
बाबाः अभी कुछ कह नहीं सकते। पक्का नहीं कह सकते जब तक...
जिज्ञासुः कि वो प्रवेश करके पार्ट बजा रही है या जन्म लिया है।
बाबाः हाँ।

Student: But she has left her body.
Baba: She left her body… but did she leave it suddenly?
Student: At her [designated] time.
Baba: Then? Another thing, it has been said in the avyakt vani for Kumarika Dadi that Maya has become tired now. Now she has also left her body. Did she become victorious after leaving her body? Does someone make *purushaarth* (spiritual effort) after leaving the body? And it has been said in the messages that Kumarika Dadi is still playing her *part* through the subtle body just as Brahma Baba is playing his *part*.
Student: As regards what you said about Manohar Dadi, is she performing her task by entering [Brahmins] or is she reborn?
Baba: Nothing can be said now. We cannot say firmly until…
Student: That whether she is playing her part by entering or she is born.
Baba: Yes.

---
[3] Rosary of victory

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 18.37-19.39

जिज्ञासुः बाबा, सीता जिस सोने के मृग से आकर्षित होकर राम एवं लक्ष्मण को उसे पकड़ने के लिए भेजती है उसकी शूटिंग संगम पर कैसे होती है सोने के मृग की?

बाबाः मृग जानवर है या देवता है? (जिज्ञासु – जानवर) और राक्षस उसका रूप धारण करता है। (जिज्ञासु – मारीच राक्षस) राक्षस ही मृग का रूप, माना सीधा-साधा है। वो सीधा-साधा मृग का रूप, सोने का रूप धारण कर लेता है। (जिज्ञासु – है राक्षस लेकिन...) ... सोने का मृग बन गया, देखने में। और सोने का मृग तो होता ही नहीं है। तो बरगला लिया सीता को।

जिज्ञासुः माना कोई ऐसी आत्मा है जो राक्षस होते हुए भी ऐसा सोने का रूप धारण कर लेती है।

बाबाः दिखावा ऐसे किया जैसे कि हम पक्के ब्रह्माकुमार हैं। बड़े सेवाधारी हैं।

जिज्ञासुः पी.बी.केज़ में से ही?

बाबाः हाँ, जी।

Time: 18.37-19.39

Student: How does the shooting for the golden dear take place in the Confluence Age, which attracts Sita after which she sends Ram and Lakshman to catch it?

Baba: Is deer (*mrig*) an animal or a deity? (Student: Animal.) And a demon takes on that form [of a deer]. (Student: Demon Mareech.) The demon himself takes on the form of a deer, i.e. a simple being. He takes on the form of an innocent deer, a golden deer. (Student: It is a demon, but…) … he became a golden deer in appearance. And a golden deer doesn't exist at all. So, he misled Sita.

Student: It means that there is a soul which takes on a golden form despite being a demon.

Baba: He (the soul playing the role of golden deer) showed-off as if he is a firm Brahmakumar. A big serviceable [child].

Student: Was he among the PBKs themselves?

Baba: Yes. … (to be continued.)

Part-2

समयः 20.38-22.14

जिज्ञासुः यदि पी.बी.केज़ यह मानते हैं कि बी.केज़ की पवित्रता कायरों वाली पवित्रता है तो फिर वे बी.केज़ के बिना अपने को अधूरा क्यों मानते हैं?

बाबाः पुरुषार्थी समान चाहिए कि असमान चाहिए?

जिज्ञासुः समान चाहिए।

बाबाः तो राम वाली आत्मा के लिए समान पुरुषार्थी चाहिए या नहीं चाहिए? (जिज्ञासु – चाहिए।) और प्यूरिटी वाला उतना चाहिए या नहीं चाहिए? (जिज्ञासु – चाहिए।) समान पुरुषार्थी होगा वो ही पुरुषार्थ में साथ-साथ दौड़ करके प्रवृत्तिमार्ग को प्राप्त कर सकेगा या निवृत्तिमार्ग को प्राप्त करेगा? (जिज्ञासु – समान पुरुषार्थी...) ... होगा तो प्रवृत्तिमार्ग को प्राप्त कर सकेगा। तो विजयमाला में समान पुरुषार्थी निकलेंगे या नहीं निकलेंगे? (जिज्ञासु –

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

निकलेंगे।) तभी सिद्धि हो जाएगी। जब बड़े-बड़े सन्यासी निकलेंगे तब तुम्हारी विजय हो जावेगी। तो कहाँ हैं वो बड़े-बड़े सन्यासी? बाहर की दुनिया में? (जिज्ञासु – बी.के में ही चन्द्रवंश में।) सन्यासी हैं सारे। इस ज्ञान को समझेंगे, निकलेंगे, फिर तुम्हारी विजाय हो जावेगी।

Time: 20.38-22.14
Student: If the PBKs believe that the purity of the BKs is cowardly, then why do they consider themselves incomplete without the BKs?
Baba: Should the *purusharthis* (the ones who make spiritual effort) be equal or unequal?
Student: They should be equal.
Baba: So, is an equal *purushaarthi* required for the soul of Ram or not? (Student: It is required.) And should he have that much *purity* or not? (Student: He should have.) Will an equal *purushaarthi* be able to achieve the path of household by running together in *purushaarth* [with his partner] or will he achieve the path of renunciation? (Student: Equal *purushaarthi*...) If he is [an equal *purushaarthi*], he will be able to achieve the path of household. So, will equal *purushaarthis* emerge from the *Vijaymala* or not? (Student: They will emerge.) They (those from the *Rudramala*) will achieve accomplishment then. You will achieve victory when the big *sanyasis* emerge. So, where are the big *sanyasis*? Is it in the outside world? (Student: Among the BKs , in the Moon dynasty.) They all are *sanyasis*. When they understand this knowledge and emerge, then you will gain victory.

जिज्ञासु: जब बाबा यह कहता है कि सन्यासी निकलेंगे, तो वो सन्यासी जो है बी.के में केवल सन्यास धर्म की आत्माओं के लिए तो नहीं है ना। वो तो...
बाबा: वो सारे ही सन्यासी हैं।
कोई प्रवृत्तिमार्ग के नहीं। इस्लाम धर्म प्रवृत्तिमार्ग का है? बौद्ध धर्म प्रवृत्तिमार्ग का है? क्रिश्चियन धर्म प्रवृत्तिमार्ग का है? मुस्लिम धर्म प्रवृत्तिमार्ग का है? ये किसकी गोद में पले हैं संगम में? (जिज्ञासु – ब्रह्मा।) फिर? सारे ही तो सन्यासी हैं वो।

Student: When Baba says that the *sanyasis* will emerge, then those *sanyasis* do not refer just to the souls of Sanyas religion within the BKs, do they? They…
Baba: All of them are *sanyasis*.
Student: All of them are *sanyasis*.
Baba: Nobody belongs to the path of household. Does Islam belong to the path of household? Does Buddhism belong to the path of household? Does Christianity belong to the path of household? Does Muslim religion belong to the path of household? On whose lap have they received sustenance in the Confluence Age? (Student: Brahma.) Then? All of them are *sanyasis*.

समयः 23.48-29.10
जिज्ञासु: पी.बी.केज़ यह मानते हैं कि बी.केज़ की पवित्रता कायरों वाली पवित्रता है तो फिर वे विजयमाला की हेड की पवित्रता और जगदम्बा की पवित्रता में क्या अंतर है? जगदम्बा तो यज्ञ छोड़ चुकी है। तो किसकी पवित्रता ऊँची ठहरी?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः तुम्हें कैसे मालूम जगदम्बा यज्ञ छोड़ चुकी है या अभी वाणियों को पढ़ रही है? उसके पास गए? उसके पास बैठे क्या?

जिज्ञासुः हम तो नहीं बैठे।

बाबाः तो फिर?

Time: 23.48-29.10
Student: PBKs believe that the purity of the BKs is cowardly. Then, what is the difference between the purity of the head of *Vijaymala* and the purity of Jagdamba? Jagdamba has left the *yagya*. So, whose purity is superior?
Baba: How do you know that Jagdamba has left the *yagya* or is studying the vanis even now? Did you go to her? Did you sit with her?
Student: I did not sit.
Baba: So then?

जिज्ञासुः लेकिन वो कहते हैं ना कि निश्चय पत्र लिखाते टाइम दिखाया जाता है कि जगदम्बा ने लिख के दे दिया है कि मैं छोड़ के गई हूँ यज्ञ।

बाबाः वो कागज़ में लिख के दे दिया है तो उससे अंदर की बात का पता चल जाता है? बहुत से हैं जो कागज़ में लिख करके निश्चयपत्र देते हैं, अन्दर से वो सब सच्चे हैं? (जिज्ञासु – नहीं।) तो फिर? कागज़ में लिखकरके इसलिए दिया हो कि जगदम्बा को जगतपिता से लड़ाई लड़नी है तो? (जिज्ञासु – आगे चलके।) आगे चलके क्या? अभी भी। जगदम्बा जो है जगत की स्त्रीयों को फालो करेगी, कन्याओं-माताओं को फालो करेगी या सिर्फ भारतीय कन्याओं-माताओं को फालो करेगी?

जिज्ञासुः जगत की स्त्रीयों को।

बाबाः तो जगत में जो भी कन्याएं-माताएं हैं, और-और धर्मों की कन्याएं-माताएं हैं, लड़ाई लड़ती हैं कि नहीं अपने पति से? (जिज्ञासु – बाहर की?) हाँ। लड़ाई नहीं लड़तीं? (जिज्ञासु – लड़ती हैं।) लड़ाई लड़ के दूसरी शादी कर लेती हैं। तो नीचा दिखाने के लिए करती हैं या ऐसे ही कर लेती हैं? (जिज्ञासु – नीचा दिखाने के लिए।) बस ऐसे ही है। वो उनकी सबकी अम्मा है। अन्दर से एक और बाहर से दूसरा है। इसलिए महाकाली के मस्तक में शंकर का चित्र दिखाया जाता है। बाहर से दिखाया जाता है पांव रख रही है छाती पर।

Student: But it is said that when people are made to write the letter of faith, they are shown that Jagdamba has given in writing 'I have left the *yagya*'.
Baba: She has written it on a paper; so, does that reveal what is in her mind? There are many who give letter of faith writing it on a paper; are they all true from within? (Student: No.) So, then? What if she has given it in written because Jagadamba has to fight with *Jagatpita* (the Father of the world) ? (Student: In future.) Not [just] in future. Even now. Will Jagdamba *follow* the women of the world, virgins and mothers of the world or will she *follow* just the Indian virgins and mothers?
Student: The women of the world.
Baba: So, do the virgins and mothers of the world, virgins and mothers of the other religions fight with their husband or not? (Student: Outsiders?) Yes. Don't they fight? (Student: They

fight.) They fight and marry someone else. So, do they marry in order to belittle [their former husband] or do they simply remarry? (Student: In order to belittle.) That is the case. She is the mother of all of them. She is one thing internally and another thing externally. This is why Shankar's picture is shown on the forehead of Mahakali. It is shown externally that she is placing her leg on the chest [of Shankar].

तो कमल फूल समान प्यूरिटी किसकी है? लक्ष्मी की है या जगदम्बा की है? घर गृहस्थ की कीचड़ में कौन रहती है? (जिज्ञासु – जगदम्बा।) फिर?
जिज्ञासुः तो जगदम्बा की प्यूरिटी ज्यादा श्रेष्ठ हो गई।
बाबाः बुद्धि कहाँ लगी हुई है?
जिज्ञासुः बुद्धि तो बाप में है।
बाबाः फिर? अरे, संसार में, भारतवर्ष में खास, जो भी बहुएं आती हैं, छोटी माता आती है वो बड़ी माता के पांव पूजती है कि नहीं पूजती है? (जिज्ञासु – पूजती है।) ये परंपरा कहाँ की है?
जिज्ञासुः संगमयुग में जब विजयमाला की हैड आएगी तो मान तो देगी।
बाबाः फिर? एक होती है राज माता, एक होती है राजलक्ष्मी। भारतीय परंपरा में राजमाता को ऊँची गद्दी पर क्यों बैठाते हैं? (जिज्ञासु – सीनियर।) सीनियर है इसलिए बैठाते हैं।
(जिज्ञासु ने अनुवाद करते समय कहा कि विजयमाला के हैड की पवित्रता सन्यासियों जैसी है।)
बाबाः अभी। अभी के पुरुषार्थ के हिसाब से जगदम्बा की प्यूरिटी ऊँची है। क्योंकि वो कीचड़ में रह करके कमल फूल समान जीवन बिता रही है। गृहस्थी, घर-गृहस्थी की कीचड़ में रहती है। फिर भी ऊँचा पार्ट बजा रही है।

So, whose *purity* is like a lotus flower? Is it that of Lakshmi or of Jagdamba? Who lives in the mire of household? (Student: Jagdamba.) Then?
Student: So, Jagdamba's purity is more superior.
Baba: Where is her intellect focused?
Student: The intellect is focused on the Father.
Baba: Then? *Arey*, in the world, and in India in particular, whenever daughter-in-law, junior mother comes [to the husband's household after marriage] does she worship (touch) the feet of the senior mother or not? (Student: She worships.) This tradition pertains to which time?
Student: When the head of *Vijaymala* comes in the Confluence Age then she will give respect [to Jagadamba].
Baba: Then? One is *Rajmata* (Queen Mother), one is *Rajlakshmi* (Queen). In the Indian tradition why is *Rajmata* made to sit on the higher throne? (Student: Senior.) She is senior; that is why she is made to sit [on a high throne].
(While translating the translator said that the purity of *vijaymala* is like the *sanyasis.*)
Baba: Now. Jagdamba's *purity* is higher from the point of view of the present *purusharth* because she is leading a lotus like life while living in mire. She lives in household, the mire of household. Still she is playing an elevated part.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु: लेकिन जब विजयमाला की हैड आ जाएगी और...

बाबा: ज्ञान सीख जाएगी पूरा फिर वो आगे चली जाएगी।

जिज्ञासु: अच्छा।

बाबा: छोड़ा हुआ तो इसने भी है। संग का रंग लगता है कि नहीं? इसको संग का रंग किसका लग रहा है? (जिज्ञासु – देहधारी का।) देहधारियों का लग रहा है। उसको बाबा का संग लगेगा। अभी भी बाबा का संग लग रहा हो क्या पता बुद्धि से?

Student: But when the head of the *Vijaymala* comes and…
Baba: When she learns the knowledge completely then she will gallop ahead [of Jagdamba.]
Student: *Acchaa.*
Baba: This one (the head of the *Vijaymala*) has also left. Does she get coloured by the company or not? So, she is being coloured by whose company? (Student: Bodily beings.) She is being coloured by the bodily beings. She will get the company of Baba. Who knows she will be getting the company of Baba through the intellect even now?

समयः 30.06-30.54

जिज्ञासु: पी.बी.केज़ कहते हैं कि भारतवासियों के अलावा बाकी विधर्मी शंकर के द्वारा शिव के पार्ट को नहीं पहचानते हैं, वे केवल निराकार को याद करते हैं। फिर दूसरी तरफ कहते हैं कि शिवलिंग और शंकर की नग्न मूर्तियाँ सारे विश्व में खुदाईयों में पाई गई हैं। इसमें कोई विरोधाभास नहीं है क्या?

बाबा: क्यों? सारे विश्व का पिता है तो सारे विश्व में सेवा नहीं करेगा? (जिज्ञासु – करेगा) तो जब सेवा करेगा तो उसकी यादगार नहीं बनेगी?

जिज्ञासु: बनेगी लेकिन वो कह रहे हैं कि साकार की कैसे बन गई वहाँ पर?

बाबा: अरे सेवा साकार के द्वारा होती है या बिन्दी फुदुक-फुदुक के होती है?

जिज्ञासु: साकार के द्वारा होती है।

बाबा: फिर?

जिज्ञासु: इसलिए सब जगह खुदाइयों में...

बाबा: नग्न मूर्तियां मिली हैं। लिंग मिले हैं।

Time: 30.06-30.54
Student: PBKs say that the *vidharmis* except the Indians do not recognize Shiva's part through Shankar; they remember only the incorporeal One. Then on the other hand they say that *Shivling* and the naked idols of Shankar are found in the excavations all over the world. Is there no contradiction in this?
Baba: Why? When he is the father of the entire world then will he not serve the entire world? (Student: He will.) So, when he serves [the world], then will its memorial not be formed?
Student: It will be formed, but they are saying that how was its memorial formed in a corporeal form there?
Baba: *Arey*, is the service done through the corporeal one or does a point jump and do [service]?
Student: It takes place through the corporeal one.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Then?
Student: This is why in all the excavations…
Baba: Naked idols have been found, [Shiv]lings[4] have been found.

समयः 31.51- 32.50

जिज्ञासुः द्वापर के आदि से शिव की पूजा शिवलिंग के रूप में आरम्भ होती है। फिर शंकर की पूजा कब से आरम्भ होती है?
बाबाः सोमनाथ मन्दिर में जब शिवलिंग तोड़ा था तो क्या मूर्ति को तोड़ के वो नहीं ले गया था? (जिज्ञासु – ले गया था) फिर? मूर्ति भी तो होती है।
जिज्ञासुः मूर्ति माना शिवलिंग के साथ-साथ शंकर की साकार मूर्ती ?
बाबाः मूर्ती भी होती है। हाँ, जी।
जिज्ञासुः सिर्फ शिवलिंग नहीं होता है।
बाबाः वो बाजू में होती है। (जिज्ञासु – अच्छा) जो भी पुराने-पुराने मन्दिर हैं शिव के उनमें शिवलिंग बीच में होता है और चारों तरफ देवताओं की मूर्तियाँ होती हैं। उन देवताओं की मूर्तियों के बीच में मुख्य स्थान पर शंकर की मूर्ति होती है।
जिज्ञासुः माना साथ-साथ ही शिव और शंकर की पूजा साथ-साथ ही शुरू हुई द्वापर में?
बाबाः मुख्य है, वो है जो बीच में लटका हुआ था। बाकी देवताएं चारों तरफ हैं। तो वो चारों तरफ जो देवताएं दिखाए गए हैं वो किसकी पूजा में हैं? (जिज्ञासु – शिव की) हाँ।

Time: 31.51- 32.50
Student: Shiva's worship begins in the form of *Shivling* from the beginning of the Copper Age. Then, when does Shankar's worship begin?
Baba: When the *Shivling* was broken in the Somnath temple, did he not break and take the idol with him? (Student: He had taken it.) Then? The idol is also there.
Student: Idol means… the corporeal idol of Shankar along with *Shivling*?
Baba: There is also the idol. Yes.
Student: There is not just the *Shivling*.
Baba: It (idol) is beside it (*Shivling*). (Student: *Acchaa.*) In all the old temples of Shiva, the *Shivling* is in the center and there are idols of the deities everywhere. Shankar's idol is in the main place in the middle of the idols of those deities.
Student: Does it mean that the worship of Shiva and Shankar started simultaneously in the Copper Age?
Baba: The main one was hanging in the center. The remaining deities were all around. Who were the deities shown all around worshipping? (Student: Shiva.) Yes.

समयः 33.43-36.27

जिज्ञासुः पी.बी.केज़ कहते हैं कि ब्राह्मणों का लक्ष्य है नर से नारायण बनना। किन्तु एक साकार मुरली दिनांक 11.3.10 में आया है कि हमारी एम-आब्जेक्ट ही राधे-कृष्ण बनने की है। लक्ष्मी-नारायण नहीं क्योंकि पूरे 5000 वर्ष तो इनके ही कहेंगे। लक्ष्मी-नारायण के तो

---
[4] Oblong often black stone representing Shiva worshipped all over India

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

फिर भी 20-25 वर्ष कम हो जाते हैं। इसलिए कृष्ण की महिमा जास्ती है। यह किसको पता नहीं कि राधे-कृष्ण ही फिर सो लक्ष्मी-नारायण बनते हैं।

बाबाः महिमा, यादगार, पूजन, मन्दिर किस समय के हैं? (जिज्ञासु – संगमयुग के) वो सतयुग के समझ रहे हैं। संगमयुगी राधा-कृष्ण के यादगार, मन्दिर, महिमा, पूजन, मूर्तियाँ हैं या सतयुगी कृष्ण के हैं? (जिज्ञासु – संगमयुग) फिर?

जिज्ञासुः लेकिन ये जो लक्ष्मी-नारायण कह दिया कि इनके 20-25 वर्ष कम हो जाते हैं तो उनकी महिमा उतनी क्यों नहीं है? कह रहे हैं कृष्ण की महिमा जास्ती है।

बाबाः हाँ। पुरुषार्थ कौन करता है? पुरुषार्थी राधा-कृष्ण हैं या लक्ष्मी-नारायण हैं? बच्चा बुद्धि कौन हैं, संपन्न कौन हैं? (जिज्ञासु – बच्चा बुद्धि तो राधा-कृष्ण है) बच्चा बुद्धि राधा-कृष्ण हैं। और लक्ष्मी-नारायण? (जिज्ञासु – वो तो संपन्न रूप हो गया) वो तो संपन्न रूप हो गया। बात खतम। संपन्न रूप हो गया तो राधा-कृष्ण बच्चों को पैदा कर देते हैं। इम्मेच्योर्ड हैं तो कहाँ से पैदा करेंगे?

Time: 33.43-36.27

Student: PBKs say that the aim of the Brahmins is to change from a man (*nar*) to Narayan. But it has been mentioned in a murli dated 11.3.10 'Our aim and objective itself is to become Radhe-Krishna and not Lakshmi-Narayan because it is they (Radhe-Krishna) who will be said to have completed 5000 years. In case of Lakshmi and Narayan 20-25 years are reduced. This is why Krishna is praised more. Nobody knows that Radhe and Krishna themselves become Lakshmi and Narayan'.

Baba: The glory, memorials, worship, temples pertain to which time? (Student: The Confluence Age.) They are thinking of the Golden Age. Do the memorials, glory, temples, worship and idols pertain to the Confluence Age Radha and Krishna or the Golden Age Krishna? (Student: The Confluence Age.) Then?

Student: But as regards this Lakshmi and Narayan it was said that 20-25 years are reduced in their case; so, why are they are not praised so much? They are saying that Krishna is praised more.

Baba: Yes. Who makes *purushaarth*? Are Radha and Krishna *purushaarthi* or are Lakshmi and Narayan *purusharthi*? Who has a child like intellect and who is perfect? (Student: Radha and Krishna have a child like intellect.) Radha and Krishna have a child like intellect. And what about Lakshmi and Narayan? (Student: That is a complete form.) That is a complete form. The topic ends there. When they reach the complete form then they give birth to children like Radha and Krishna. When they are immature how can they give birth?

जिज्ञासुः लोकिन महिमा संगमयुगी कृष्ण की ज्यादा है संगमयुगी नारायण की तुलना में?

बाबाः हाँ। दोनों ही तो संगमयुग के हैं। महिमा नर-नारायण बनने की है कि नर से कृष्ण बनने की है? (जिज्ञासु – नर से नारायण) नर से नारायण बनने की है, वो भी संगमयुग का है। और संगमयुगी राधा-कृष्ण भी हैं।

(जिज्ञासु ने अनुवाद के दौरान कहा – अवर एम ऍन्ड ऑब्जेक्ट इटसेल्फ इज़ टू बीकम राधा ऍन्ड कृष्णा।)

बाबाः Our कहने वाला कौन है, दूसरी बात?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु: ब्रह्मा की आत्मा बीच में इंटरफियर करके।

बाबा: फिर? उनके मेंटल में क्या भरा हुआ है?

जिज्ञासु: कृष्ण बड़ा है।

बाबा: फिर?

जिज्ञासु: मैं आपको कहने ही वाला था।

बाबा: सतयुगी कृष्ण की आत्मा वहाँ की बात करेगी, सतयुग की बात करेगी या संगमयुग की बात करेगी? इसलिए उन्होंने वहाँ की बात कर दी।

Student: But is the glory of the Confluence Age Krishna more than the Confluence Age Narayan?
Baba: Yes. Both belong to the Confluence Age. Is the glory about changing from a man (*nar*) to Narayan or from a man to Krishna? (Student: From *nar* to Narayan.) It is about changing from *nar* to Narayan. That also pertains to the Confluence Age. And there are Confluence Age Radha and Krishna as well.
(During translation the translator said: Our aim and objective itself is to become Radha and Krishna.)
Baba: The second thing is: Who says 'our'?
Student: The soul of Brahma interferes in between and…
Baba: Then? What is in his mind?
Student: Krishna is greater.
Baba: Then?
Student: I was about to tell you that.
Baba: Will the soul of the Golden Age Krishna speak of that place, the Golden Age or of the Confluence Age? This is why he spoke of that place.

समय: 37.48-40.29

जिज्ञासु: बाबा, ज्ञान सूर्य के क्लेरिफिकेशन के बारे में थोड़ा सा कन्फ्युजन है। कभी तो प्रजापिता को ज्ञान सूर्य बताया जाता है और कभी शिव को। तो क्या ज्ञान सूर्य और ज्ञान सागर दोनों टाइटिल शिव बाप के ही हैं?

बाबा: धरणी से चिपक के कौन रहता है और धरणी से दूर हमेशा कौन रहता है?

जिज्ञासु: सागर चिपक के रहता है और सूर्य दूर रहता है।

बाबा: तो कौन है सूर्य?

जिज्ञासु: सूर्य शिव हो गया।

बाबा: सूर्य शिव हो गया। सागर खारा भी, सागर मीठा भी।

जिज्ञासु: सागर प्रजापिता के लिए हो गया।

बाबा: हाँ।

जिज्ञासु: लेकिन एक कम्पेरिज़न में तो गृह-नक्षत्रों को ले रहे हैं और एक कम्पेरिजन में हम सागर और नदियों को ले रहे हैं। तो जब हम ग्रह-नक्षत्रों को लेते हैं तो ज्ञान सूर्य, ज्ञान चन्द्रमा, ज्ञान सितारे और ध्रुव तारा। उस मामले में तो हम ज्ञान सूर्य शिव को कहते हैं। ध्रुव तारा प्रजापिता वाली आत्मा को।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 37.48-40.29
Student: Baba, there is a slight confusion regarding the clarification of *Gyan Surya* (Sun of Knowledge). Sometimes Prajapita and sometimes Shiva is mentioned as *Gyan Surya*. So, do the titles of both *Gyan Surya* and *Gyan Saagar* (Ocean of Knowledge) belong to just the Father Shiva ?
Baba: Who remains stuck to the Earth and who remains away from the Earth always?
Student: The ocean remains stuck and the Sun remains far away.
Baba: So, who is the Sun?
Student: Shiva is the Sun.
Baba: Shiva is the Sun. The ocean is salty as well as sweet.
Student: The Ocean is for Prajapita.
Baba: Yes.
Student: But in one comparison we take the planets and stars and in one comparison we take the ocean and the rivers. So, when we take the planets and stars, then the Sun of Knowledge, the Moon of knowledge, the stars of knowledge and the Pole star, in that case we call Shiva as the Sun of Knowledge. The soul of Prajapita is called the Pole Star (*Dhruv tara*).

बाबाः ध्रुव को क्या कहते हैं?
जिज्ञासुः ध्रुव तारा तो प्रजापिता वाली नहीं हुई?
बाबाः हाँ। प्रजापिता वाली हुई।
जिज्ञासुः और ज्ञान चन्द्रमा ब्रह्मा हो गई और ज्ञान सितारे नम्बरवार सब ब्राह्मण आत्माएं हो गए। (बाबा – हो गए) और वैसे ही जब हम ज्ञान सागर और ज्ञान नदियाँ, और तालाब, पोखरे की कम्पेरिजन करते हैं तो उस मामले में ज्ञान सागर...
बाबाः साकार में जन्म लेने वाले हो गए। चाहे नदियाँ हों, चाहे पोखरे हों, चाहें सागर हो।
जिज्ञासुः उस मामले में सागर शिव को नहीं कहेंगे उसमें?
बाबाः शिव जो है बिना साकार के कोई पार्ट नहीं बजाता।
जिज्ञासुः उस समय जब हम कम्पेर करते हैं सागर को नदियों और तालाबों से तो फिर ज्ञान मानसरोवर हम प्रजापिता के लिए कहते हैं, ब्रह्मापुत्रा, गंगा ये सारी नदियाँ तो अलग-अलग पार्टधारी हो गए, तो वहाँ सागर हम क्या शिव को नहीं कह सकते?
बाबाः क्या राम वाली आत्मा जो है वो सदैव ही मंथन करती है या कभी उसका मंथन रुकता भी है?
जिज्ञासुः संगमयुग में तो मंथन चलता ही रहता है।

Baba: What is *Dhruv* called?
Student: Isn't Prajapita the Pole Star?
Baba: Yes. It is Prajapita.
Student: And Brahma is the Moon of knowledge and all the number wise (at different levels) Brahmin souls are the stars of knowledge. (Baba: They are.) And similarly, when we make a comparison between the Ocean of Knowledge and the rivers of knowledge and the lakes, ponds [of knowledge], in that case the Ocean of Knowledge is…

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: They are the ones who are born in a corporeal form, whether they are the rivers, ponds or the ocean.
Student: In that case will not Shiva be called the ocean?
Baba: Shiva doesn't play any *part* without the corporeal one.
Student: At that time when we compare the ocean with the rivers and lakes, then we say that Prajapita is the Mansarovar [lake] of knowledge; Brahmaputra, Ganga, all these rivers are different actors; so, can't we call Shiva as the ocean?
Baba: Does the soul of Ram churn [the knowledge] always or does his churning ever stop as well?
Student: The churning continues in the Confluence Age.

बाबाः सदा चलता रहता है? कभी मंथन रुकता भी है ना। जिस समय रुका हुआ है उस समय सरोवर है। लेकिन सबसे ऊँचा सरोवर है। (जिज्ञासु – मानसरोवर) हाँ। (जिज्ञासुः बाकी समय में सागर है।) बाकी समय में सागर है।
जिज्ञासुः खारा भी है, मीठा भी है।
बाबा: हाँ।

Baba: Does it continue always? Sometimes it stops as well, doesn't it? When it is stopped it is *sarovar* (lake). But it is the highest lake. (Student: Mansarovar.) Yes. (Student: For the rest of the time he is an ocean.) For the rest of the time he is the ocean.
Student: The Ocean is salty as well as sweet.
Baba: Yes. … (to be continued.)

Part-3

समयः 42.41-47.57
जिज्ञासुः बाबा, एक साकार मुरली है 3.9.77 की। उसमें कहा है – राधे के और श्री कृष्ण के माँ-बाप राजे रजवाड़े थे ना। फिर दोनों की शादी हुई। दोनों अलग-अलग गांव के थे। एक गांव से दूसरे गांव में ले जाते हैं डोली में बिठाकर। फिर शादी होती है। वा कोई कहते हैं कृष्ण गया राधे पास उनको ले आने के लिए। फिर भी दहेज में गांव आदि सब कुछ दे देते हैं ना। पहली-पहली मुख्य बात है ऊँच ते ऊँच शिवबाबा है। - तो यहाँ बेहद में डोली और दहेज क्या है जो संगमयुगी कृष्ण को...
बाबाः जो स्टूडेन्ट्स आएंगे, साथ में , एडवांस में आयेंगे वो दहेज नहीं है?
जिज्ञासुः वो दहेज हो गया।
बाबाः फिर?
जिज्ञासुः डोली?
बाबाः डोली तो बैठने की होती है जिसमें बैठ करके आती है। जैसे बताया टोकरी है, कृष्ण टोकरी में बैठाय दिया जाता है, फिर जमुना पार करता है। तो कौन है टोकरी? (जिज्ञासु – बुद्धि रूपी टोकरी।) कौन है? (जिज्ञासु – ब्रह्मा।) ब्रह्मा की बुद्धि रूपी टोकरी में बैठाया जाता है कृष्ण को?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः नहीं। कृष्ण की नहीं, यहाँ तो संगमयुगी राधा की बात हो रही है।

Time: 42.41-47.57
Student: Baba, there is a saakaar murli dated 3.9.77. It has been said in it "The parents of Radhe and Shri Krishna were kings, weren't they? Then both of them got married. Both belonged to different villages. She is taken from one village to the other in a *doli* (palanquin). Then their marriage takes place. Or some say that Krishna went to Radhe to bring her. Then he is given everything including village, etc. in dowry (*dahej*), isn't he? The first and foremost main topic is that the highest on high is Shivbaba." So, what is unlimited *doli* and dowry which is given to the Confluence Age Krishna?
Baba: Don't the *students* who come, who come with her to the advance [party] constitute the dowry?
Student: That is dowry.
Baba: Then?
Student: *Doli*?
Baba: *Doli* is for the purpose of sitting; she comes sitting in it. For example, it was told that there is a basket (*tokri*); Krishna is made to sit in a basket and then he crosses the [river] Yamuna. So, who is the basket? (Student: Basket like intellect.) Who is it? (Student: Brahma.) Is Krishna made to sit in the basket like intellect of Brahma?
Student: No, not Krishna; here we are discussing about the Confluence Age Radha.

बाबाः हम उदाहरण दे रहे हैं, वो पहले समझो। कृष्ण को टोकरी में डाला गया। तो टोकरी क्या है? (जिज्ञासु – बुद्धि रूपी टोकरी।) कौन है? (जिज्ञासु – वो तो प्रजापिता।) रामवाली आत्मा हुई। ऐसे ही वो किसी की बुद्धि रूपी टोकरी में डाली जाती है। (जिज्ञासु – वो ही डोली हो गई।) हाँ, जी। वो आत्मा की पावर से फिर इधर आ जाती है।
जिज्ञासुः तो वो जो डोली होगी वो तो एडवांस में ही होगी ना। जो बुद्धिरूपी टोकरी, जिसमें वो आएगी।
बाबाः जगदम्बा कौन है?
जिज्ञासुः वो टोकरी हो गई।
बाबाः ओम राधे को जगदम्बा नहीं कहा है? ओम राधे को सरस्वती जगदम्बा भी तो कहा है।
जिज्ञासुः वो खींच के लाती है।
बाबाः हाँ।
जिज्ञासुः वो उनकी बुद्धि रूपी टोकरी हो गई।
बाबाः देवी तो एक ही है। लेकिन नौ जगह प्रवेश करती है। तो अनेक रूप हो जाते हैं।
जिज्ञासुः तो ओम राधे मम्मा डोली हो गई। (बाबा – हाँ।) और उनके साथ जोबी.केज़ आते हैं वो सारे दहेज हो गए?
बाबाः दहेज हो गए।

Baba: I am giving an example; first understand that. Krishna was put in a basket (*tokri*). So, what is the basket? (Student: Basket like intellect.) Who is it? (Student: That is Prajapita.) It is the soul of Ram. (Student: The soul of Ram.) Similarly she is put in someone's basket like

intellect. (Student: That happens to be the *doli*.) Yes. She then comes here with the *power* of that soul.
Student: So, that *doli* will be in the advance [party] itself, will it not be? The basket like intellect in which she will come.
Baba: Who is Jagdamba?
Student: She is the basket.
Baba: Wasn't Om Radhe called Jagdamba? Om Radhe was called Saraswati Jagdamba as well.
Student: She pulls her.
Baba: Yes.
Student: She is her basket like intellect.
Baba: There is only one *devi*[5] . But she enters nine places (bodies). So, she takes many forms.
Student: So, Om Radhe Mamma is the *doli*. (Baba: Yes.) And all the BKs who come with her constitute the dowry.
Baba: They constitute the dowry.

कोई न कोई गीता पाठशालाओं से, कोई न कोई सेन्टर्स से आते हैं ना, वो सारे के सारे सेन्टर्स उठ करके आ जाएंगे। वो गाँव हो गए।
जिज्ञासुः वो माताजी कह रही हैं कि मुरली में बोला है ना कि कृष्ण राधे से छोटा है उमर में, तो प्रजापिता वाली आत्मा जो है राधा के 3 साल बाद ज्ञान में आती है, इसलिए उनको भक्तिमार्ग में इस तरह से दिखाया जाता है।
बाबाः 66 में और 68, 69 में फरक नहीं है?

[Students] from some or the other *gitaapaathshaalaa*, from some or the other *center* come [in the advance knowledge], don't they? So, everyone from those centers (where the students go) will come. They (those centers) are the villages.
Student: *Mataji* is saying that it has come in the murli that Krishna is younger to Radha in age, so, the soul of Prajapita enters the path of knowledge three years after Radha; this is why they are shown like this in the path of *bhakti*.
Baba: Is there no difference between 66 and 68, 69?

समयः 48.26-50.27
जिज्ञासुः पी.बी.केज़ कहते हैं कि शिव ने दादा लेखराज में केवल 1947-48 के बाद प्रवेश किया किन्तु एक मुरली 7.1.81 में कहा है – बाबा की तो सारी गीता पढ़ी हुई है। जब यह ज्ञान मिला तो विचार चला गीता में यह लड़ाई आदि की बातें क्या लिखी हुई हैं। कृष्ण भी तो गीता का भगवान नहीं। यह तो झूठा शास्त्र है। इनके अन्दर बाप बैठा था, तो इसने गीता को एकदम छोड़ दिया। बोला – अब हाथ भी नहीं लगाएंगे। तो क्या यह वाक्य भी ब्रह्मा वाली आत्मा द्वारा इंटरफियर करके बोला हुआ वाक्य कहेंगे?
बाबाः ज्ञान के बरखिलाफ बात क्या बोली है?

5 Female deity

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 48.26-50.27
Student: PBKs say that Shiva entered Dada Lekhraj only after 1947-48, but it has been said in a murli dated 7.1.81 "Baba has read the entire Gita. When he got this knowledge he thought about the topics of war, etc. that have been written in the Gita. Krishna is not God of the Gita either. This is a false scripture. The Father was sitting in this one; so, this one left the Gita at once. He said : I will not even touch it now." So, will this sentence also be said to have been spoken by the soul of Brahma by interfering?
Baba: What did he say opposite to [that said in] the knowledge?

जिज्ञासुः हम कहते हैं कि दादा लेखराज में शिव ने 47-48 के बाद ही प्रवेश किया, उससे पहले नहीं किया।
बाबाः बाद में नहीं। 47 में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ। (जिज्ञासु – हाँ, जी।) जिस समय बंटवारे की बात हुई, उसी समय ये पहली गाड़ी से भाग खड़े हुए। (जिज्ञासु – अच्छा।) वहाँ हुजूम इकट्ठा हो गया और बाबा को नशा चढ़ गया। और मुरली चलने लगी। बाद की बात थोड़े ही है। सन 47 की बात है।
जिज्ञासुः वो ये मुरली में दिखा के कह रहे हैं कि उससे पहले भी बाबा ने प्रवेश किया।
जिज्ञासुः यही जो मुरली।
बाबाः ये मुरली सन 47 की है उनके पास? बाद की है? सन 48 की?
जिज्ञासुः बाद की है।
बाबाः 48 की है? (जिज्ञासु – नहीं।) फिर? उस समय की मुरलियाँ थी भी?
जिज्ञासुः माना इसमें जो वाक्य आया है ना कि इनके अन्दर बाप बैठा था तो इसने गीता एकदम छोड़ दी। तो उसके आधार पर वो कह रहे हैं कि ...
बाबाः ब्रह्मा बाब ने तो वैसे भी गीता और गीता के बातों को छोड़ दिया। प्रजापिता सुनाता था गीता के श्लोक। ब्रह्मा बाबा ने तो छोड़ ही दिया ना गीता को। ब्रह्मा बाबा थोड़े ही गीता को लेकरके अर्थ करते थे? (जिज्ञासु – प्रजापिता वाली आत्मा।) उनकी अकल थी इतनी कि गीता को टैली करें ईश्वरीय ज्ञान से?

Student: We say that Shiva entered Dada Lekhraj only after 47-48, not before that.
Baba: Not after that. The partition of [India into] India and Pakistan took place in 47. (Student: Yes.) When the topic of partition [of India] emerged, he ran away by the first train. (Student: *Acchaa.*) When the crowd gathered there, Baba felt intoxicated. And the murlis began to be narrated. It isn't about [the time] after [47]. It is about the year 47.
Student: They are showing the murli and saying that Baba entered even before that. **Baba:** Which murli?
Student: This murli.
Baba: Is this murli that they have of the year 47? Is it of the period after that? Is it of 48?
Student: It is of the period after that.
Baba: Is it of 48? (Student: No.) Then? Were there murlis of that period?
Student: There is a sentence in it that the Father was sitting in this one; so he left the Gita at once. So, on that basis they are saying that…

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Brahma Baba had left the Gita and the topics of Gita anyway. Prajapita used to narrate the *shlokas* (verses) of the Gita. Brahma Baba left the Gita anyway, didn't he? Brahma Baba did not interpret the Gita. (Student: The soul of Prajapita.) Did he (Brahma Baba) have so much intelligence that he could tally the Gita with Divine knowledge?

समयः 52.01-57.20

जिज्ञासुः पी.बी.केज़ कहते हैं कि सभी धर्मों में जो खंडन हुआ था दो भागों में, जैसे क्रिश्चियन में कैथोलिक-प्रोटेस्टेंट, जैनिज्म में श्वेताम्बर-दिगम्बर, मुसलमानों में शिया-सुन्नी, आदि। तो वो कहते हैं कि यहाँ जो बी.के और पी.बी.के अलग हो गए उसी के आधार पर जो है ये सारे धर्मों में भी दो-दो भाग हो गए थे। लेकिन ये जो एक मुरली उन्होंने कोट की है 1.1.77 की तो उसमें ये कहा गया है कि – "और ब्राह्मण लोग कहते हैं हम ब्रह्मा की संतान हैं। परन्तु कैसे पैदा हुए यह नहीं जानते। फिर ब्राह्मणों में भी कोई पुश्करणी, कोई कैसे होते हैं। यहाँ तो ब्रह्मा के बच्चे ब्राह्मण ही ब्राह्मण हैं। और कोई फूट इनमें पड़नी नहीं है। दूसरे ब्राह्मणों में फूट पड़ती है। इनमें नहीं। ना कब देवताओं में फूट पड़ती है। सूर्यवंशी सब सूर्यवंशी। मतभेद की बात नहीं। चन्द्रवंशियों में भी भेद नहीं। फूट में कितना नुकसान हो जाता है। तो बाप से तुम नई-नई बातें सुनते हो।"

Time: 52.01-57.20

Student: PBKs say that the division of all the religions into two parts, for example, Catholic and Protestant in Christians, Shwetambar and Digambar in Jainism, Shia andSunni among Muslims, etc., so they say, the PBKs say that these divisions in the religions have taken place on the basis of the separation of BKs and PBKs . But they have quoted a murli dated 1.1.77, in which it has been said – "Other Brahmins say that they are the children of Brahma, but they do not know how they were born. Then even among the Brahmins some are *Pushkarni*[6], and some others are of different category. Here, Brahma's children are just the Brahmins . And there will not be any discord (*fuut*) among them. Discord takes place in other Brahmins. Not in these Brahmins. Neither does discord ever arise among the deities . *Suryavanshis* are all *Suryavanshis.* There is no question of difference of opinion. There is no discord among the *Chandravanshis* either. There is so much harm in disunity. So, you listen to new topics from the Father."

बाबाः इसमें जो बोला है – पड़नी है, ये भविष्य के लिए बोला कि उस समय के लिए बोला? (जिज्ञासु – भविष्य के लिए) तो फिर? उनकी बुद्धि लगी हुई है सिर्फ बेसिक के लिए। लेकिन ये बेसिक के लिए ये बातें बोली नहीं गई हैं। बोली गई हैं एडवांस के लिए।

जिज्ञासुः पहले वाली मुरली से भी ये मिलती-जुलती है। इसमें भी वही सूर्यवंशी वाली बात आ गई (बाबा – हाँ, जी) कि सूर्यवंशियों में कोई मतभेद नहीं होगा, ये तो दूसरे वंश की जो आत्माएं हैं उनमें मतभेद होगा।

बाबाः हाँ, जी। हाँ।

जिज्ञासुः तो इसी के आधार पर फिर वो दूसरे धर्मों में भी...

[6] Those who follow the knowledge on receiving a push

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः जो असली चन्द्रवंशी हैं वो तो सूर्यवंशी बन जाते हैं। उनमें तो मतभेद की बात ही नहीं। बाकी रह गए दूसरे। वो तो दूसरे-2 धर्मों के हैं। वो तो भेद पैदा करेंगे, लड़ेंगे।
जिज्ञासुः इसी के आधार पर हर धर्म में जो है...
बाबाः इसमें (लिखा है) 'पड़नी है' – देखो तो क्या लिखा है। पढ़ो।
जिज्ञासुः "और कोई फूट इनमें पड़नी नहीं है।"
बाबाः पड़नी नहीं है। ये भविष्य की बात हुई या वर्तमान की या पास्ट की बात हुई? (जिज्ञासु – भविष्य की) फिर? भविष्य की बात है।

Baba: It has been said here: '…*padni hai'* (… will take place); was this said for the future or for that time? (Student: For the future.) So, then? Their intellect is focused only on the basic [knowledge]. But these topics have not been spoken for the basic [knowledge]. It has been spoken for the advance [party].
Student: It is similar to the earlier murli. The same topic of the *Suryavanshis* has been mentioned in that one also. (Baba: Yes.) that there will not be any difference of opinion (*matbhed*) among the *Suryavanshis*. It is the souls of other dynasties who will have a difference of opinion.
Baba: Yes. Yes.
Student: So, on the basis of this itself [there will be division] in other religions also.
Baba: The true *Chandravanshis* become *Suryavanshis*. There is no question of difference of opinion among them. Then there are the rest. They belong to other religions. They will create difference of opinion, they will fight.
Student: It is only because of this that in every religion…
Baba: Here [it is said:] '…*padni hai'* (…will take place) . Look what is written . Read it.
Student: "…and there will not be any discord (*fuut*) among them."
Baba: '…*padni nahi hai.'* (… will not take place). Is this about the future , present or past? (Student: Future.) Then? It is about the future. … (to be continued.)

Part-4

… **जिज्ञासुः** सूर्यवंशियों में कोई फूट नहीं पड़ेगी।
बाबाः नहीं पड़ेगी। सूर्यवंशियों में भी तो असली और नकली हैं। जो असली हैं वो तो फाउण्डेशन डाल रहे हैं नई दुनिया का। अभी भी डाल रहे हैं। और फूट की बात अगर होती तो बाबा इतने बीमार पड़े, महीने-डेढ़ महीने रहे हास्पीटल में, बाहर की दुनिया वालों को, किसी को भनक भी पड़ी? फूट पड़ी होती तो? (जिज्ञासु – पता चल जाता) तो फिर?
जिज्ञासुः वो ही। इस बार इंटरनेट में खबर आई नहीं है अभी तक।
बाबाः फिर? वो मुरली पढ़ते ही नहीं हैं, सुनते ही नहीं है।
जिज्ञासुः नहीं, ये जो भाई प्रश्न कर रहा है ना इसने उस समय पूछा था, जब अव्यक्त वाणी चली थी। इसका दिमाग तेज़ चलता है, इस भाई का। इसने जब बाबा दो बार नहीं आए थे ना, अव्यक्त बापदादा वहाँ पर तो उसने उसी समय तुरंत जो है इंटरनेट पर लिख दिया था कि जैसे 87-88 में बाबा नहीं आए थे, ब्रह्मा बाबा तो उस समय का तो एडवांस पार्टी वाले

बता देते हैं कि ब्रह्मा बाबा ने सारा जोर यहाँ लगा दिया था। तो वैसे ही अब जो दो बार नहीं आए हैं इसका क्या कहते हैं एडवांस पार्टी वाले?

बाबाः बोल तो दिया जवाब। दिल्ली के वाणी में।

Student: There will not be any discord among the *Suryavanshis.*
Baba: There will not be. Even among the *Suryavanshis* there are true ones and fake ones. Those who are true are laying the *foundation* for the new world. They are laying [the foundation] even now. And had there been any topic of discord, then, when Baba fell so sick; he was in the hospital for a month , one and a half months or two months; did the people of the outside world get any hint? What would have happened had there been a discord? (Student: People would have known.) So, then?
Student: That is what. The news has not appeared in the internet this time so far.
Baba: Then? They do not read, they do not listen the murli at all.
Student: No, the [BK] brother who is asking the question asked at that time when the *avyakt vani* was narrated; his brain works fast. When Baba, Avyakt Bapdada did not come there twice, then he wrote immediately on the internet that just as Baba, Brahma Baba did not come in 87-88, then the people of the Advance Party say that Brahma Baba invested his entire strength here. So, similarly, what do the people of the Advance Party say about his not turning up twice this time?
Baba: The reply has already been given in the vani at Delhi.

जिज्ञासुः वो अब पता चला है ना। उस समय हमको पता नहीं था अक्तूबर में।

बाबाः क्यों? दिल्ली की वाणी आपने सुनी नहीं थी?

जिज्ञासुः कौनसी?

बाबाः बीमार होने के बाद...

जिज्ञासुः वो तो अब बात आई है ना। इसने, पूछने वाला है, इसने अक्तूबर में ही पूछ लिया था, जब बाबा बीमार थे, तभी पूछा था। वो जब अव्यक्त बापदादा दो बार नहीं आए थे ना तभी उसने इंटरनेट पे...

बाबाः वो अक्तूबर की बात है।

जिज्ञासुः वो अक्तूबर की बात है।

बाबाः नवम्बर में पूछा होगा।

जिज्ञासुः नवम्बर में, अक्तूबर में, मुझे डेट एक्जेक्ट याद नहीं लेकिन उसी समय पूछा था, जब दो बार जो नहीं आए थे ना। तभी उसने तुरंत पूछ लिया था।

बाबाः जवाब आ गया ना। (जिज्ञासु – अब जवाब आ गया ना) जवाब आपके पास भी आ गया दिल्ली की वाणी में। (जिज्ञासु – हाँ, जी) दिल्ली में जो क्लास चला था, कौनसे महीने में चला था? (जिज्ञासु – फरवरी में) फरवरी में चला था। फरवरी में आपने या तो ध्यान नहीं दिया।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: That has come to our knowledge now, hasn't it? We did not know that at that time in October.
Baba: Did you not listen to the vani narrated at Delhi?
Student: Which one?
Baba: After having fallen sick…
Student: That topic has come now, hasn't it? This person, the one who asked the question had asked in October itself when Baba was sick. He had asked at that time only when Avyakt Bapdada had not come twice.
Baba: That is about October.
Student: That is about October.
Baba: He must have asked in November.
Student: It must be November, October; I don't know the exact date, but he had asked at that very time when [Bapdada] had not come on two turns. He had asked immediately.
Baba: You got the reply, didn't you? (Student: We got the reply now.) You also received the reply in Delhi's vani. (Student: Yes.) The *class* that was organized in Delhi; in which month was it organized? (Student: In February.) It was organized in February. You must not have paid attention in February.

जिज्ञासुः नहीं, वो तो हमको जवाब पता चल गया लेकिन उस समय जब इसने पूछा था।
बाबाः उसी समय उसको मुँह पे ठोक के जवाब देना चाहिए ना। ये जो असुर हैं ना ये साँप का मुँह पकड़ते हैं। एडवांस पार्टी वाले ऐसे कहते हैं, एडवांस पार्टी वाले ऐसे कहते हैं, अब एडवांस पार्टी वाले सब तो नहीं कहते हैं। कहने वाला तो एक ही है। वो एक जो है उसके अन्दर वो प्रवेश है। कौन? शेषनाग। उसका मुँह पकड़ते हैं बार-बार। मुँह पकड़ेंगे फिर टके से जवाब मिलेगा।

Student: No, we came to know of the reply, but when this person asked [in November].
Baba: You should give a strong reply on their face at that time itself, shouldn't you ? These demons catch the mouth of the snake: "People of the *Advance Party* say this; people of the *Advance Party* say this"; well everyone from the *Advance Party* doesn't say. The speaker is only one. That one (Shiva) has entered in that 'one' . Who? Sheshnaag. They catch its mouth again and again. If they catch the mouth, then they will get an apt reply.

समयः 57.22-58.36
जिज्ञासुः बाबा, एक और प्रश्न है। वैसे तो हमने कभी शिव की पुत्री के बारे में कभी नहीं सुना। शंकर के जो हैं दो पुत्र ही दिखाए जाते हैं।
बाबाः और देव देव महादेव नहीं सीरियल देखी?
जिज्ञासुः वो सीरियल में ही अशोकसुन्दरी जो दिखाई गई है वो कहाँ का यादगार है क्योंकि वैसे तो हमने पहले कभी सुना नहीं था। इस सीरियल के बाद पता चला कि भई अशोकसुन्दरी भी कोई है। वो पार्ट किसका है?
बाबाः शोक नहीं है। (जिज्ञासु – जिसको शोक नहीं है) हाँ।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 57.22-58.36
Student: Baba, there is another question. We have never heard about Shiva's daughter. Only two sons of Shankar are shown…
Baba: Did you not watch the serial Dev Dev Mahadev?
Student: The same serial; in that Ashok Sundari has been shown. It is a memorial of which time? Because we had never heard about it earlier, we have come to know only after this serial that there is someone called Ashok Sundari. Who plays that part?
Baba: The one who doesn't have any *shok* (sorrow). (Student: The one who doesn't have any sorrow?) Yes.

जिज्ञासु: वो योगिनी माँ के लिए कहेंगे?
बाबा: वो बच्ची नहीं है शिवबाबा की? उसे दुःख है क्या? श्रेष्ठ पार्ट है। अव्यक्त वाणी में भी बोल दिया – तुम बच्चों ने दीदी-दादी-दादाओं को श्रृंगार किया है आदि में। आदि में श्रृंगार किया है तो अंत में? (जिज्ञासु – अंत में भी करेंगे) अंत में भी करेंगे। आदि में गुण रत्नों से श्रृंगार किया, अंत में ज्ञान रत्नों से श्रृंगार करेंगे।

Student: Will that be said for Yogini *maa*?
Baba: Is she not a daughter of Shivbaba? Does she have any sorrow? It is an elevated *part*. It has been said in the *avyakt vani* also: You children have decorated the *didi*, *dadi*, *dadas* in the beginning. When you have decorated [them] in the beginning then what about the end? (Student: You will decorate in the end as well.) You will [decorate] in the end as well. In the beginning you decorated [them] with gems of virtues and you will decorate [them] with the gems of knowledge in the end.

समय: 59.59-01.01.53
जिज्ञासु: बाबा, ये इमली के प्रयोग के बारे में थोड़ा सा मतभेद है। हम तो जबसे एडवांस पार्टी में चल रहे हैं हमने तो ये ही सुना था कि इमली का प्रयोग ना करें तो ही अच्छा है, खट्टी चीज़ का, लेकिन...
बाबा: जो रोगी हैं उनके लिए बताया ।
जिज्ञासु: सिर्फ रोगियों के लिए?
बाबा: हाँ, जी, रोगियों के लिए तो क्या-क्या दवाईयाँ खाते रहते हैं। चिपकली के अंडे में से दवाई निकाली जाती है। जाने काहे-काहे में से दवाई निकाल लेते हैं। वो जो बीमार... मूली, जिनको पाइल्स है उनको मूली देने से उनकी पाइल्स ठीक हो जाती है तो बीमारों के लिए क्या करेंगे? जो बीमार हैं, जिन्हें भूख नहीं लगती है, उनकी भूख को खोलने के लिए अगर इमली काम आ सकती है तो दवाई नहीं है?
जिज्ञासु: बीमार ले सकते हैं स्वस्थ लोग नहीं।
बाबा: बीमार की ही बात है।
जिज्ञासु: स्वस्थ लोग नहीं ले सकते।
बाबा: स्वस्थ लोगों को क्या जरूरत है लेने की खट्टी चीज़ें?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 59.59-01.01.53
Student: Baba, there is a difference of opinion about the use of tamarind (*imli*). Ever since I am following the advance party, I have heard that it is better if we do not use tamarind or sour things, but…
Baba: It was said for the patients.
Student: Only for the patients?
Baba: Yes, patients keep consuming medicines. Medicine is extracted from the lizard's egg. They extract medicines from so many things. Those who are sick… *muuli* (radish)… those who have piles are cured if they eat radish. So, what can we do for sick people? If tamarind can be useful to restore the appetite of those who are sick, those who have lost their appetite, then is it not a medicine?
Student: Patients can consume it, not healthy people.
Baba: It is about only the patients .
Student: Healthy ones cannot consume it.
Baba: Where is the necessity for healthy people to consume sour things?

जिज्ञासुः कुछ लोगों ने बताया कि नहीं बाबा ने कभी मना नहीं किया इमली खाने से।
बाबाः नहीं-3। वो तो अपनी बात चलाते हैं ऐसे ही। उन्हें खानी है खट-मीठा तो बोल रहे हैं। गीता में भी तो लिखा है – कटु, अम्ल, तीक्ष्ण, विदाह्नि ये चीज़ें नहीं खानी चाहिए।
दूसरा जिज्ञासुः हाँ, बाबा कद्दू में इमली डालने से उसका असर नष्ट हो जाता है। कद्दू में इमली डालने से।
बाबाः अच्छा, आम डाल दो। आम खाई है कि नहीं खाई है?
जिज्ञासुः अमचूर?
बाबाः अमचूर नहीं।
जिज्ञासुः कच्चा आम।
बाबाः अधपका आम डाल दो कद्दू में। बहुत बढ़िया बन जाएगा।
दूसरा जिज्ञासुः मेथी देके उसमें इमली डालने से कद्दू का साइड इफेक्ट जो होता है ना ठीक हो जाएगा। ऐसे तो कद्दू ठीक नहीं होता।
बाबाः ज्ञानेश्वर गीता हो गई शुरू। ☺ बैंगन खाने से ये होगा। चलो आगे चलो।

Student: Some people said that Baba has never prohibited from consuming tamarind.
Baba: No, no, no. They speak out their personal opinion. They want to eat sour and sweet things so they say. It has been written in the Gita as well: *Katu* (bitter), *amla* (sour), *tiikshna* (hot), *vidaahina* (spicy) these things should not be eaten.
Another student: Yes Baba, by adding tamarind to pumpkin [curry] its effect is nullified. By adding tamarind to pumpkin.
Baba: OK, add [unripe] mango. Have you eaten [unripe] mango or not?
Student: *Amcuur* (powder of dried unripe mango)?
Baba: Not *amcuur*.
Student: Unripe mango.
Baba: Add half-ripe mango to pumpkin [curry]. It will taste very good.
The other student: If you add *methi* (fenugreek seeds) along with tamarind to pumpkin, then its side effect can be overcome. Otherwise pumpkin is not good.

Baba: *Gyaneshwar Gita* has started. ☺ Such and such thing will happen on eating Brinjal. Come on let's move ahead.

समयः 01.01.54-01.02.37

जिज्ञासुः एक क्वेश्चन ये है कि पी.बी.केज़ जो हैं ट्रेन में यात्रा भी बहुत बार करते रहते हैं। तो ट्रेन में अगर शौच के लिए जाना पड़े, शौच के लिए जाना पड़े तो क्या स्नान करना जरूरी है? जैसे बाबा बोलता है कि संडास जाते हैं तो स्नान करना जरूरी है।

बाबाः वहाँ शुद्धता कितनी होती है?

जिज्ञासुः शुद्धता तो कम ही होती है।

बाबाः कम ही होती है कि बिल्कुल नहीं होती है? होती ही नहीं है। वहाँ नहाने से कोई फायदा नहीं। नहाएंगे तो छींटे अपने ही ऊपर आ जाएंगी।

जिज्ञासुः माना वहाँ छोड़ भी दें तो चलेगा? छोड़ दें तो चलेगा?

बाबाः हाँ, तो घर नहीं जाओगे क्या सफर करके? नहा लो जाके।

जिज्ञासुः घर जाते ही नहा लें।

बाबाः हाँ, बड़े पंडितजी बन जाओ। ☺

Time: 01.01.54-01.02.37

Student: There is a question that PBKs travel by trains many times. So, if they have to use the lavatory in the train, if they have to empty their bowels, so, is it necessary to have a bath? For example, Baba says that if you pass stools then it is necessary to have a bath.

Baba: To what extent is there cleanliness there?

Student: There is less cleanliness.

Baba: Is it less or is it not at all existent? It is not at all existent. There is no use of bathing there. If we bathe, then the droplets [of dirty water] will fall on us.

Student: It means that it is ok if we skip that. It is ok if we skip [bathing in trains]?

Baba: Yes, will you not go home after traveling? [Then] go and have bath.

Student: We can bathe immediately after going home?

Baba: Yes, become a big *panditji* (pure). ☺

समयः 01.02.42-01.04.52

जिज्ञासुः बाबा, एक और क्वेश्चन है – पूछूँ न पूछूँ, वो जगदम्बा के बारे में था प्रश्न कि जैसे अभी जड़ दिल्ली जो है, उसमें महिलाओं के ऊपर अत्याचार बहुत ज्यादा हो रहे हैं कई सालों से। दिल्ली जो है मतलब कुप्रसिद्ध हो गई है इसके लिए। तो क्या चैतन्य दिल्ली पर भी इसी तरह से , उनको भी कुछ अत्याचार वगैरह सहन करना पड़ रहा होगा? जब मतलब ब्रॉड ड्रामा में इस तरह से हो रहा है कि अत्याचार ज्यादा हो रहा है दिल्ली में, तो उसी तरह क्या चैतन्य दिल्ली पर भी ये बात लागू होती है?

बाबाः नहीं लागू होगी? चैतन्य दिल्ली को दूसरे-दूसरे धर्म वालों ने अच्याचार नहीं किये हैं? (जिज्ञासु – किये हैं) फिर? जो भगवान के घर में रहकरके सुख नहीं ले सका वो बाहर दुनिया वालों के घरों में रहकरके सुखी बन जाएगा? (जिज्ञासु – नहीं रह सकता) फिर? लेकिन उसे

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

तो शूटिंग करनी है ना जगत अम्बा की। जगत की जो भी कन्याएं-माताएं हैं, चाहे क्रिश्चियन धर्म की हों, चाहे मुसलमान धर्म की हों, इस्लाम धर्म की हों, नास्तिक धर्म की हों, रशिया की हों, सबकी अम्बा है? (जिज्ञासु – हाँ जी) अगर नहीं है सबकी अम्बा तो जगदम्बा नहीं है। तो सबकी शूटिंग का जो बीज है वो किसमें है? (जिज्ञासु – जगदम्बा में) बस। इसलिए जगदम्बा बनने का लक्ष्य नहीं दिया है। लक्ष्मी बनने का लक्ष्य दिया है।

Time: 01.02.42-01.04.52
Student: Baba, there is another question – [I am in a dilemma] whether I should ask or not. The question was related to Jagdamba. For example, now a lot of atrocities are being committed against women in the inert Delhi from many years. Delhi has become infamous for this. So, will the living Delhi also be tolerating any atrocities, etc.? When such things are happening in the broad drama, when atrocities are increasing in Delhi, then does it apply to the living Delhi as well?
Baba: Will it not be applicable? Haven't the people of other religions committed atrocities against the living Delhi? (Student: They have.) Then? Will the one who couldn't feel happy in God's home feel happy in the homes of the people of the world? (Student: He cannot.) Then? But she has to do the *shooting* of being *Jagat amba* (mother of the world). Is she the mother of all the virgins and mothers of the world, whether they belong to Christianity, Muslim religion, Islam, atheism, or whether they belong to Russia? (Student: Yes.) If she isn't everybody's mother, then she isn't Jagdamba. So, who contains the seed of everyone's *shooting*? (Student: Jagdamba.) That is all. This is why you have not been given a goal to become Jagdamba. You have been given the goal to become Lakshmi.

लड़ाई शुरू होती है तो ब्रह्मा बाबा भी यज्ञ के आदि में भाग गए थे। यहाँ भी लड़ाई 98 में शुरू हुई तो वहाँ भी रफूचक्कर हो गई। (जिज्ञासु-जो आदि सो अंत) हाँ, जी। चलो आगे।

When the fight began, then Brahma Baba ran away in the beginning of the *yagya*. Even here when the fight started in 98 she ran away. (Student: Whatever happened in the beginning will happen in the end.) Yes. Let's proceed further. (Concluded.)

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info